Chapter- 7
काली कोयल काली क्यों?
STUDY NOTES

MIND MAP

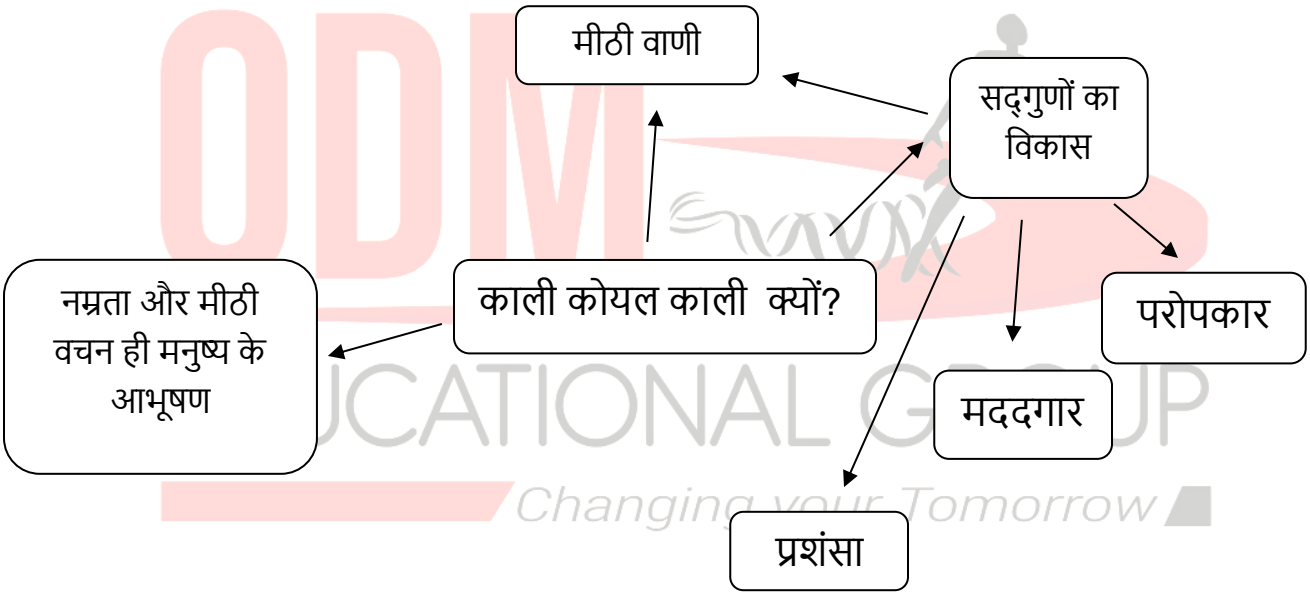

पाठ प्रवेश-

जीवन में रंग- रूप का कोई खास महत्व नहीं होता। सद्गुणों का विकास जैसे मीठी वाणी, परोपकार, मददगार, प्रशंसा करना इत्यादि का प्रतिपादन। जीवन में मीठी वाणी का बड़ा ही महत्व होता है। जिसके पास मीठी वाणी नहीं,उस इनसान के पास सब कुछ होते हुए भी, कुछ भी नहीं होता। मीठी वाणी से वह अपने परिवार, रिस्तेदारों, दोस्तों के साथ अच्छा संबंध स्थापित कर सकता है। जीवन में सफल हो सकता है। नम्रता और मीठी वचन ही मनुष्य के आभूषण हैं।शेष सब नाममात्र के आभूषण हैं।जो सबके दिल को खुश कर देने वाली वाणी बोलता है, उसके पास गरीबी कभी नहीं आती।

सारांश-

लोक कथा 'काली कोयल काली क्यों?' में कोयल की काली होने की कहानी वर्णित है।सोनल चिड़िया को अपने सुनहरे पंखों पर बहुत घमंड था।सभी का दुलार पाकर वह स्वयं को जंगल की रानी समझने लगी थी। ऊँची उड़ान के लालच में एक दिन अचानक सूरज की किरणों से झुलस जाने के कारण वह काली पड़ गई। बूढ़े बरगद बाबा की इस सीख को कि ' संसार में गुणों की ही कद्र होती है' अपनाने पर काली कोयल अपने मीठे गाने और मीठी बोली के कारण एक बार फिर सबकी दुलारी बन गई।काली कोयल की कहानी के माध्यम से यही बात सिद्ध होती है कि प्राणी को अपने रूप - रंग पर घमंड नहीं करना चाहिए।कोयल ने इस सत्य को अपने अनुभव से समझ लिया था, इसलिए वह संतुष्ट और सुखी थी। मीठी वाणी से सभी का मन जीता जा सकता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow